शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवयीन विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
के एम.एड.(आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु
प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
2009–2010

निर्देशक
डॉ. के.के. झरे
प्रवाचक (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता
धनजीत एन. वाकडे
एम.एड्.(आर.आई.ई)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद)
श्यामला हिल्स, भोपाल

शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवयीन विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
के एम.एड्.(आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु
प्रस्तुत

D-373

लघुशोध प्रबंध
2009–2010

निर्देशक

डॉ. के.के. खरे

प्रवाचक (शिक्षा विभाग)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता

धनजीत एन. वाकडे

एम.एड्.(आर.आई.ई)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल

घोषणा पत्र

मैं, **धनजीत नारायणराव वाकड़े** घोषणा करता हूँ कि, एम.एड्. (आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु **"शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवयीन विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन"** इस विषय पर लघुशोध प्रबंध 2009–10 में मेरे द्वारा **डॉ. के.के. खरे, प्रवाचक, शिक्षा विभाग,** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल इनके मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया हैं।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड्. (आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा हैं।

इस शोध कार्य हेतु जिन स्त्रोतों से सहायता ली गई हैं, उनका उल्लेख मैंने संदर्भ ग्रंथ सूची में कर दिया हैं।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 6/5/2010

शोधकर्ता

धनजीत नारायणराव वाकड़े

(एम.एड्. छात्र)क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,

भोपाल

(एन.सी.ई.आर.टी.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, **धनजीत नारायणराव वाकडे,** एम.एड्.(आर.आई.ई.), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में नियमित छात्र है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **"शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवयीन विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन"** हमारे मार्गदर्शन में विधिवत पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध पूर्णतः मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की सत्र 2009–2010 की एम.एड्. (आर.आई.ई.) की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किए जाने योग्य है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 6/5/2010

निर्देशक

डॉ. के.के. खरे

प्रवाचक (शिक्षा विभाग)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध–प्रबंध **"शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवयीन विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन"** की सम्पन्नता का अधिकतम श्रेय मेरे मार्गदर्शक श्रद्धेय **डॉ. के.के. खरे (प्रवाचक) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल** को है, जिन्होंने निरन्तर, उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा अनवरत् प्रोत्साहन देकर शोध कार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध, आपके द्वारा शोध कार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है। जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतएव मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय **डॉ. एस.के. गुप्ता, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल** के स्नेहपूर्ण व्यवहार तथा आर्शीवाद हेतु हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे शोधकार्य की संपन्नता में मौलिक सहयोग प्रदान किया है।

मैं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृ.बा. सुब्रमनियम, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल, डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण, डॉ. रमेश बाबू, डॉ. आर.के.एस. अरोरा, डॉ. आर.एन.ओझा, श्री एस.पी. पंडागले, श्री आनंद बाल्मिकी, डॉ. अंजुली सुहाने, श्रीमती प्रीति सक्सेना एवं उन समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने समय समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे इस शोधकार्य में सहयोग दिया।

किन्तु आभार प्रकट करना केवल औपचारिकता मात्र होगी, क्योंकि उपरोक्त सभी गुरूजनों से जीवन में शिक्षा के महत्व तथा उपयोगिता के संदर्भ में जो कुछ सीखा है, उसके लिए कृतज्ञता मात्र शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती, किन्तु लघुशोध प्रबंध के अध्यापन क्रम में आप सभी से अविस्मर्णीय शैक्षिक प्रेरणा प्रदान की है एवं प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से व्यक्तिगत तथा मानसिक रूप में सहयोग प्रदान किया है, अतः सभी के अकल्पनीय योगदान के लिए आभारी हूँ।

मैं पुस्तकालयाध्यक्ष तथा सहयोगियों हेतु हृदय से धन्यवाद देना चाहूँगा जिनके अपूर्व सामायिक सहयोग से शोध कार्य संपन्न हो सका है।

मैं **अनंत गावंडे, महेन्द्र बेलवंशी,** डॉ. (श्रीमती) सुनीती खरे का हृदय से कृतज्ञ हूँ। मैं उप मुख्याअध्यापिका सरस्वती विद्या मंदिर, भोपाल, मुख्यअध्यापक टेण्डर शासकीय विद्यालय, टीला जमालपुरा, भोपाल, मुख्याध्यापक नारायण पब्लिक स्कूल, कस्तूरबा माध्यमिक विद्यालय, दशहरा मैंदान, टी.टी. नगर, भोपाल एवं मैं कु. शिशीर लाल, कु. प्रियंबदा तिवारी, जुबेर तथा बी.एस.सी. बी.एड. द्वितीय वर्ष के छात्रों ने जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन में अथक सहयोग प्रदान किया है। उनका तहेदिल से आभारी हूँ।

मैं अपनी माता आदरणीय **(श्रीमती) निर्मला वाकडे, तथा पिता आदरणीय श्री नारायण वाकडे, जेष्ठ भाई श्री हेमाकान्त वाकडे, श्री युगांतर वाकडे, भाभी श्रीमती अर्पिता वाकडे,** बहन **श्रीमती प्रतिमा जनबंधू, भतीजी ट्यूलिप वाकडे,** तथा परिवार के शुभचिन्तकों का चिरऋणी रहूँगा, जिन्होंने मेरे अध्यापन संबन्धी महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु तन–मन–धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

मैं नरेन्द्र कुमार पाण्डेय, श्रीमती हेमलता बघेल तथा मित्र जयंत थूल, रमेश निकुम्भे, जोगीलाल सुखाडे, श्रीधर रणक्षेत्रे, विष्णु प्रजापत, चंद्रकुमार गावंडे, रमेश मारू, अरविन्द परमार, सोपान दरवड़े, रणजित सात्पुते, आशीष पंडया, मुकेश, नरेश उराडे, कु. वैशाली चंद्रकार, श्रीमती तरन्नुम, श्रीमती यास्मिन, दयावंता, श्रीमती मिताली खरे, नियति, सोनम, रोस्लिन, कु. पूजा कुलकर्णी एवं समस्त मित्रों तथा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के कर्मचारियों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से शोधकार्य के दौरान प्रदत्त संकलन तथा अन्य सहयोग के लिए आभारी हूँ।

अतः मैं शोधकार्य से संदर्भित विविध चरणों में शोधकार्य में जिन्होंने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में सहयोग प्रदान किया है, उन सभी का सच्चे मन तथा हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

धनजीत वाकडे

अनुक्रमणिका

अनुक्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्र.
	अध्याय प्रथम शोध परिचय	1—16
1.1.0	प्रस्तावना	01
1.2.0	किशोरावस्था	02
1.2.1.	परिभाषा	03
1.2.2	किशोरावस्था : विशेषताएँ	04
1.2.2.1	शारीरिक विकास	04
1.2.2.2	मानसिक विकास	05
1.2.2.3	संवेगात्मक विकास	05
1.2.2.4	सामाजिक विकास	06
1.3.0	स्वास्थ्य का अर्थ	06
1.3.1	मानसिक स्वास्थ्य	07
1.3.2	मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की विशेषताएँ	07
1.4.0	समायोजन	08
1.4.1	समायोजन की प्रक्रिया	10
1.5.0	समस्या का कथन	13
1.6.0	शोध का परिसीमन	13
1.7.0	अध्ययन के उद्देश्य	14
1.8.0	परिकल्पनाएँ	14
1.9.0	अध्ययन की आवश्यकता	15
1.10.0	अध्ययन का महत्व	16

	अध्याय द्वितीय सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन	17–20
	अध्याय तृतीय शोध प्रविधि	21–24
3.1	शोध में सम्मिलित चर	21
3.2	न्यादर्श का चयन	21
3.3	शोध में प्रयुक्त उपकरण एवं विवरण	22
3.3.1	मैन्टल हैल्थ बैटरी (MHB)	23
3.3.2	एडोलेसेन्ट गर्ल्स एवंम वॉयज ऍडजेस्टमैंट स्केल	23
3.4	आँकड़ों का संकलन	24
3.5	विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकी	24
	अध्याय–चतुर्थ प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	25–31
	अध्याय पंचम शोध सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव	32–38
5.1	संक्षेपिका	32
5.2	निष्कर्ष	36
5.3	सुझाव	36
5.4	भावी शोध हेतु समस्याएँ	37
*	संदर्भ ग्रंथ सूची	
*	परिशिष्ट	

तालिका सूची

तालिका क्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्र.
3.1.	न्यादर्श का चयन	
4.1.	शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयो मे अध्ययनरत किशोरवयीन विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य स्कोर की तुलना	25
4.2.	शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयो मे अध्ययनरत किशोरवयीन विद्यार्थियों के समायोजन स्कोर की तुलना	26
4.3.	शासकीय विद्यालयों मे अध्ययनरत किशोरवयीन विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा समायोजन के मध्य सहसंबध गुणांक	27
4.4.	अशासकीय विद्यालयो मे अध्ययनरत किशोरवयीन विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा समायोजन के मध्य सहसंबध की तुलना	28
4.5.	किशोरवयीन विद्यार्थियो के मानसिक स्वास्थ्य एवं उनके समायोजन के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक	29
4.6.	किशोरवयीन छात्र एवं छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य स्कोर की तुलना	30
4.7.	किशोरवयीन छात्र एवं छात्राओं के समायोजन स्कोर की तुलना	31